आदर्श प्रश्न पत्र

कक्षा : बारहवीं
विषय : वैदिक अध्ययन

पूर्ण अंक : 100
समय : 3 घंटे

भाग–क (अपठित गद्यांश) (10)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे हुए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"वेद विश्वसाहित्य के सबसे प्राचीन ग्रन्थ हैं। वैदिक मन्त्रों का अर्थ प्रतीकात्मक (Symbolic) है, अतः इनके अर्थ को समझने में कठिनाइयाँ आती रही है। सर्वप्रथम महर्षि यास्क ने 'निरुक्त' नामक ग्रन्थ लिखकर वैदिक शब्दों का निर्वचन करके वेद के अर्थ की कठिनता को दूर किया। उसके बाद यास्क के निरुक्त को आधार मानकर सभी आचार्यों ने वेदों पर भाष्य लिखना शुरू किया। यास्क निरुक्त सम्प्रदाय के एक विशिष्ट और अन्तिम आचार्य है।

यास्क विश्व के पहले लेखक थे जिन्होंने निर्वचन विद्या (Etymology) पर ग्रन्थ लिखा। वैदिक मन्त्रों के अर्थ जानने के लिए निरुक्त का ज्ञान परमावश्यक है। यदि यास्क ने "निरुक्त" की रचना न ती होती तो वेदों का अर्थ करना एक रहस्य ही रहता"।

प्र॰1 विश्वसाहित्य के सबसे प्राचीन ग्रन्थ का नाम लिखिए। (2)

प्र॰2 'निरुक्त' के लेखक कौन हैं? (2)

प्र॰3 आचार्यों ने किस ग्रन्थ को आधार मानकर वेदों पर भाष्य लिखे? (2)

प्र॰4 निर्वचन–विद्या पर ग्रन्थ लिखने वाले विश्व के पहले लेखक कौन थे? (2)

प्र॰5 इस गद्यांश के शीर्षक (Title) का नाम लिखें। (2)

भाग–ख (रचनात्मक लेखक) (40)

अ) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें। (4x5=20)

प्र॰1 यास्क का परिचय देते हुए निरुक्त की विशेषताएँ लिखें।

Scanned with CamScanner

प्र॰2 वेद की व्याख्या के क्षेत्र में सायण के योगदान का वर्णन करें।

प्र॰3 वेदांग का अर्थ एवं महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

प्र॰4 वेदांग ज्योतिष का परिचय दीजिए।

प्र॰5 किसी एक उपवेद का परिचय दीजिए।

प्र॰6 रामायण अथवा महाभारत का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्र॰7 राम का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ब) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4x3=12)

प्र॰1 महर्षि वाल्मीकि को रामायण रचने की प्रेरणा कैसे, कब और कहाँ मिली?

प्र॰2 रामायण के सभी काण्डों के नाम लिखिए।

प्र॰3 पंचजन से क्या अभिप्राय है?

प्र॰4 'स्मृति' किसे कहते हैं?

प्र॰5 यजुर्वेद में किन–किन पशु–पक्षियों का वर्णन मिलता है?

प्र॰6 "पुराण" से क्या अभिप्राय है?

प्र॰7 आत्मा की अमरता पर प्रकाश डालिए।

स) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2x4=8)

प्र॰1 चार वेदों के नाम लिखिए।

प्र॰2 चार उपवेदों के नाम लिखिए।

प्र॰3 पंच महायज्ञों के नाम लिखिए।

Scanned with CamScanner

प्र॰4 यज्ञ शब्द का अर्थ लिखिए।

प्र॰5 'यथा ब्रह्माण्डे तथा पिण्डे' की व्याख्या कीजिए।

प्र॰6 'आसव' किसे कहते है?

प्र॰7 जल की महत्ता का वर्णन कीजिए।

भाग–ग (पठित अवबोध) (50)

अ) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (5x4=20)

प्र॰1 मातृभूमि किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

प्र॰2 गणितशास्त्र का महत्त्व लिखिए।

प्र॰3 शिक्षा वेदांग पर प्रकाश डालिए।

प्र॰4 पाणिनीय अष्टाध्यायी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्र॰5 नासदीय सूक्त के आधार पर सृष्टि की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

प्र॰6 वृक्ष–वनस्पतियों की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

प्र॰7 वासुकिपुराण का महत्त्व बताइए।

ब) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4x5=20)

प्र॰1 रेखागणित और यज्ञवेदी का वर्णन करें।

प्र॰2 जल की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

प्र॰3 ऋत और सत्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्र॰4 पुनर्जन्म के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

Scanned with CamScanner

प्र॰5 एकता और समानता एक दूसरे के पूरक है। सिद्ध कीजिए।

प्र॰6 पाप और पुण्य की विवेचना कीजिए।

प्र॰7 चार पुरूषार्थों का नाम लिखकर किसी एक पुरूषार्थ पर प्रकाश डालिए।

स) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5=10)

प्र॰1 अग्नि की खोज और आविष्कार ..... ऋषि ने किया।

प्र॰2 वृहस्पति और शुक्र ग्रह की खोज ..... ऋषि ने की।

प्र॰3 कृषि विद्या के आविष्कार ..... है।

प्र॰4 'वृक्ष को जल से सींचो इन्हें न काटो' कहाँ–कहाँ है?

(क) ऋग्वेद में (ख) रामायण में (ग) महाभारत में

प्र॰5 महापुराणों की संख्या ..... है।

Scanned with CamScanner